



"मीठे बच्चे - श्रीमत पर कल्याणकारी बनना है, सबको सुख का रास्ता बताना है"



प्रश्न:- किसी भी प्रकार की ग़फलत होने का मुख्य कारण क्या है?

उत्तर:- देह-अभिमान। देह-अभिमान के कारण ही

बच्चों से बहुत भूलें होती हैं। वह सर्विस भी नहीं कर सकते हैं। उनसे ऐसा कर्म होता है जो सब नफरत करते हैं। बाबा कहते - बच्चे आत्म-अभिमानी बनो।

कोई भी अकर्तव्य नहीं करो। क्षीरखण्ड हो सर्विस के अच्छे-अच्छे प्लैन बनाओ। मुरली सुनकर धारण करो, इसमें बेपरवाह नहीं बनो।

गीत: छोड़ भी दे आकाश सिंघासन...

[Click](#)

छोड़ भी दे आकाश सिंघासन

(Chhod bhi De Akash Singashan)

Chhod bhi de aakash singhasan...(2)
Is Dharti par aa ja re...

Chhod bhi de aakash singhasan...
Phir dharti par aa ja re...(3)
{ music }

Jab jab vipad padi Jag mahi...
Tu hi bana rahkwa Saai...
Paap kapat ki fail rahi hai...(2)
Is Jag me fir se parchai...
Geeta ka updeshe sunane...
Roop badal kar aaja re...(2)

Chhod bhi de aakash singhasan...
Is dharti par aa ja re...(3)
Roop badal kar aaja re aaja re aaja re...

{ music }
"Yada yada hi dharmasya
Glanirbhavati Bharat
Abhyutthanam adharmasya
Tadaatmanam srujaamyaham"

अवजानन्ति मां मूढा मानुषीं तनुमाश्रितम्।
परं भावमजानन्तो मम भूतमहेश्वरम्॥
मेरे परमभावको न जानेवाले मूढलोग मनुष्यका
१. जिसके सम्पूर्ण कार्य कर्तृत्वभावके बिना अपने-आप सनामात्रसे ही होते हैं, उसका नाम 'उदासीनके सदृश' है।
२. गीता अध्याय ७ श्लोक २४ में देखा चाहिये।
१२० *श्रीमद्भागवतगीता * ११:११-१२
शरीर धारण करनेवाले मुझ सम्पूर्ण भूतोंके महान ईश्वरको तुच्छ समझते हैं अर्थात् अपनी योगमायासे संसारके उद्धारके लिये मनुष्यरूपमें विचरते हुए मुझ परमेश्वरको साधारण मनुष्य मानते हैं॥ ११ ॥

जन्म कर्म च मे दिव्यमेवं यो वेत्ति तत्त्वतः ।
त्यक्त्वा देहं पुनर्जन्म नैति मामेति सोऽर्जुन ॥
हे अर्जुन! मेरे जन्म और कर्म दिव्य अर्थात् निर्मल और अलौकिक हैं— इस प्रकार जो मनुष्य तत्त्वसे * जान लेता है, वह शरीरको त्यागकर फिर जन्मको प्राप्त नहीं होता, किन्तु मुझे ही प्राप्त होता है ॥ १ ॥

ओम् शान्ति। रूहानी बच्चों प्रति रूहानी बाप की

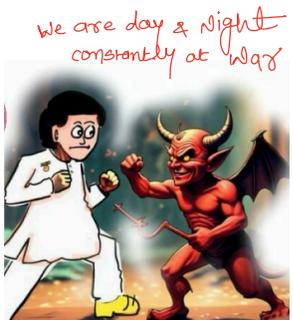
श्रीमत। अभी हम सब सेन्टर्स के बच्चों से बात कर



चाहिए। बहुतों का कल्याण करने अर्थ बाप मत देते हैं। ऐसे टीन पर बहुत चित्र बन सकते हैं। देही-अभिमानी बन बाप की सर्विस में लगना है। बाप राय देते हैं - यह चित्र हिन्दी और अंग्रेजी में बनाने चाहिए। यह 6 चित्र मुख्य जगह पर लग जायें। अगर ऐसे मुख्य स्थानों पर लग जायें तो तुम्हारे पास सैकड़ों समझने के लिए आयेंगे। परन्तु बच्चों में देह-अभिमान होने के कारण बहुत भूलें होती हैं।

Attention..!

ऐसे कोई मत समझे कि मैं पक्का देही-अभिमानी हूँ। गलतियाँ तो बहुत होती हैं, सच नहीं बतलाते हैं। समझाया जाता है, ऐसा कोई कर्तव्य नहीं करो जो कोई खराब नफरत लाये कि इनमें देह-अभिमान है। तुम सदैव युद्ध के मैदान में हो। और जगह तो 10-20 वर्ष तक युद्ध चलती है। तुम्हारी माया से अन्त तक युद्ध चलनी है। परन्तु है गुप्त, जिसको कोई जान नहीं सकते। गीता में जो महाभारत लड़ाई है, वह जिस्मानी दिखाई है। परन्तु है यह रूहानी। रूहानी युद्ध है पाण्डवों की। वह जिस्मानी युद्ध है जो परमपिता परमात्मा से विप्रीत बुद्धि हैं। तुम ब्राह्मण कुल भूषणों की है



v/s



21-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

प्रीत बुद्धि। तुमने और संग तोड़ एक बाप के संग जोड़ी है। बहुत बार देह-अभिमान आने कारण भूल जाते हैं फिर अपना ही पद भ्रष्ट कर लेते हैं। फिर अन्त में बहुत पछताना पड़ेगा। कुछ कर नहीं सकेंगे। यह कल्प-कल्प की बाजी है। इस समय कोई अकर्तव्य कार्य करते हैं तो कल्प-कल्पान्तर के लिए पद भ्रष्ट हो जाता है। बड़ा घाटा पड़ जाता है।

Always remember this..

100%

बाप कहते हैं - आगे तुम 100 प्रतिशत घाटे में थे। अब बाप 100 प्रतिशत फायदे में ले जाते हैं। तो श्रीमत पर चलना है। हर एक बच्चे को कल्याणकारी बनना है। सबको सुख का रास्ता बताना है। सुख है ही स्वर्ग में, नर्क में है दुःख। क्यों? यह है विशश दुनिया, वह वाइसलेस थी, अब विशश दुनिया बनी है, फिर बाप वाइसलेस बनाते हैं। इन बातों को दुनिया में कोई नहीं जानते हैं। तो मुख्य यह चित्र परमानेन्ट स्थानों पर लगाने चाहिए।

But we know, How Lucky & Great we are..!

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.



21-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन



पहला नम्बर देहली मुख्य, सेकण्ड बॉम्बे और कलकत्ता, कोई को ऑर्डर देने से शीट पर बना सकते हैं। आगरा में भी घूमने के लिए बहुत जाते हैं। बच्चे सर्विस तो बहुत अच्छी कर रहे हैं और भी कुछ कर्तव्य करके दिखायें। यह चित्र बनाने में

-: Example: -



कोई तकलीफ नहीं है। सिर्फ एक्सपीरियन्स (अनुभव) चाहिए। अच्छे बड़े चित्र हों जो कोई दूर से भी पढ़ सके। गोला भी बड़ा बन सकता है। सेफ्टी से रखना पड़े, जो कोई खराब न करे। यज्ञ



में असुरों के विघ्न पड़ते हैं क्योंकि यह हैं नई बातें। यह दुकान निकाल बैठे हैं। आखरीन में सब समझ



जायेंगे कि हम उतरते आये हैं, जरूर कुछ खामी

है। बाप है ही कल्याणकारी। वही बता सकते हैं

कि भारत का कल्याण कैसे और कब हुआ है।

भारत को तमोप्रधान कौन बनाते हैं फिर

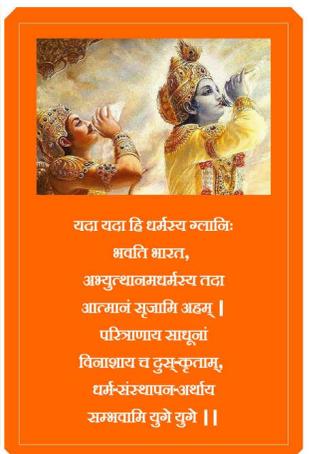
सतोप्रधान कौन बनाते हैं, यह चक्र कैसे फिरता है,

कोई नहीं जानते हैं। संगमयुग को भी नहीं जानते

हैं। समझते हैं भगवान युगे-युगे आता है। कभी

कहते हैं भगवान तो नाम रूप से न्यारा है। भारत

प्राचीन स्वर्ग था। यह भी कहते हैं क्राइस्ट से 3



यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिः
अवति भारत,
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदा
आत्मानं सृजामि अहम् ।
पृथिव्याय साधूनां
विनाशाय च दुस्कुताम्,
धर्म-संस्थापन-अर्थाय
सम्भवामि युगे युगे ॥

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

21-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन
हजार वर्ष पहले देवताओं का राज्य था फिर कल्प
की आयु लम्बी दे दी है, तो बच्चों को देही-
अभिमानी बनने की बड़ी मेहनत करनी है।

आधाकल्प सतयुग और त्रेता में तुम आत्म-

अभिमानी थे परन्तु परमात्म-अभिमानी नहीं थे।

यहाँ तो फिर तुम देह-अभिमानी बन पड़े हो। फिर

देही-अभिमानी बनना पड़े। यात्रा अक्षर भी है,

परन्तु अर्थ नहीं समझते हैं। मनमनाभव का अर्थ है

रूहानी यात्रा पर रहो। हे आत्मायें मुझ बाप को

याद करो। श्रीकृष्ण तो ऐसे कह न सके। उन पर

कोई कलंक लगा न सके। यह भी बाप ने

समझाया है सीढ़ी जब उतरे हैं तो आधाकल्प काम

चिता पर बैठ काले हो जाते हैं। अब है ही आइरन

एज। उनकी सम्प्रदाय काली ही होगी। परन्तु

सबका सांवरा रूप कैसे बनायें। चित्र आदि जो भी

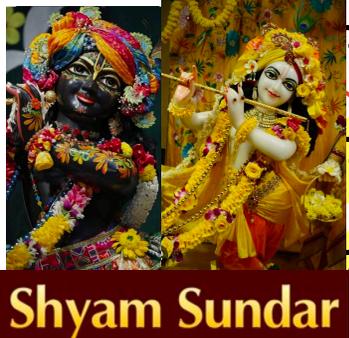
बनाये हैं सब बेसमझी के। उसको ही श्याम फिर

सुन्दर कहना... यह कैसे हो सकता है। उनको

कहा ही जाता है अन्धश्रद्धा से गुड़ियों की पूजा

करने वाले। गुड़ियों का नाम रूप ऑक्वूपेशन

आदि हो नहीं सकता। तुम भी पहले गुड़ियों की



Shyam Sundar



oints: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

21-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

हाँ जी मेरे मीठे ते मीठे बाबा...

पूजा करते थे ना। अर्थ कुछ भी नहीं समझते थे।

तो बाबा ने समझाया है - प्रदर्शनी के चित्र मुख्य

बन जायें। कमेटी बने जो प्रदर्शनी पिछाड़ी प्रदर्शनी

करती रहे। बन्धन मुक्त तो बहुत हैं। कन्यायें

बन्धनमुक्त हैं। वानप्रस्थी भी बन्धनमुक्त हैं। तो

बच्चों को डायरेक्शन अमल में लाना चाहिए। यह

है गुप्त पाण्डव। कोई को भी पहचान में नहीं आ

सकते। बाप भी गुप्त, ज्ञान भी गुप्त। वहाँ मनुष्य,

मनुष्य को ज्ञान देते हैं। यहाँ परमात्मा बाप ज्ञान

देते हैं आत्माओं को। परन्तु यह नहीं समझते कि

आत्मा ज्ञान लेती है क्योंकि वह आत्मा को निर्लेप

कह देते हैं। वास्तव में आत्मा ही सब कुछ करती

है। पुनर्जन्म आत्मा लेती है, कर्मों के अनुसार। बाप

यह सब प्वाइन्ट्स अच्छी रीति बुद्धि में डालते हैं।

सब सेन्टर्स में नम्बरवार देही-अभिमानी हैं। जो

अच्छी रीति समझते और फिर समझाते हैं। देह-

अभिमानी न कुछ समझते न समझा सकते हैं। मैं

कुछ समझती नहीं हूँ, यह भी देह-अभिमान है।

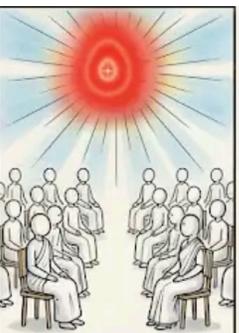
अरे तुम तो आत्मा हो। बाप आत्माओं को बैठ

समझाते हैं। दिमाग ही खुल जाना चाहिए। तकदीर

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.



Mind It...



सुप्रीम टीचर और
रूहानी पाठशाला।

21-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

में नहीं है तो खुलता ही नहीं। तो बाप तदबीर

कराते हैं परन्तु तकदीर में नहीं है तो पुरुषार्थ भी

नहीं करते हैं। है बहुत सहज, अल्फ और बे

समझना है। बेहद के बाप से वर्सा मिलता है। तुम

भारतवासी सब गॉड गॉडेज थे। प्रजा भी ऐसी थी।

इस समय पतित बन पड़े हैं। कितना समझाया

जाता है। अपने को आत्मा समझ बाप को याद

करो। बाप कहते हैं बच्चे हमने तुमको गॉड गॉडेज

बनाया। तुम अब क्या बन गये हो। यह है कुम्भी

पाक नर्क। विषय वैतरणी नदी में मनुष्य जानवर

पंछी आदि सब एक समान दिखाते हैं। यहाँ तो

मनुष्य और ही खराब हो पड़े हैं। मनुष्यों में क्रोध

भी कितना है। लाखों को मार देते हैं। भारत जो

वेश्यालय बना है फिर इनको शिवालय शिवबाबा

ही बनाते हैं। बाप कितना अच्छी रीति समझाते हैं।

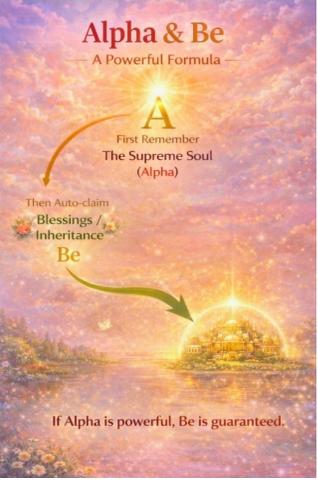
डायरेक्शन देते हैं ऐसे-ऐसे करो। चित्र बनाओ।

फिर जो बड़े-बड़े मनुष्य हैं उन्हीं को समझाओ।

यह प्राचीन योग, प्राचीन नॉलेज सबको सुननी

चाहिए। हाल लेकर प्रदर्शनी लगानी है। उन्हीं को

तो पैसे आदि कुछ नहीं लेने चाहिए। फिर भी जो



21-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन
ठीक समझो तो किराया लो। चित्र तो आप देखो,



चित्र देखेंगे तो फिर झट पैसे वापिस कर देंगे।
सिर्फ युक्ति से समझाना चाहिए। अथॉरिटी तो हाथ



में रहती है ना। चाहे तो सब कुछ कर सकते हैं।

वह थोड़ेही समझते हैं, विनाश काले विपरीत बुद्धि

तो विनाश को प्राप्त हो गये। पाण्डवों ने तो भविष्य

में पद पाया। सो भी राज्य पीछे भविष्य में होगा।

अभी थोड़ेही होगा। यह मकान आदि सब टूट

जायेंगे। अब बाप ने समझाया है प्रदर्शनी भी

करनी चाहिए। खूब अच्छी तरह से कार्ड पर

निमन्त्रण देना है। तुम पहले बड़ों को समझाओ तो

मदद भी करेंगे। बाकी सोये नहीं रहना है। कई

बच्चे देह-अभिमान में सोये रहते हैं। कमेटी बनाए

क्षीरखण्ड हो प्लैन बनाना चाहिए। बाकी मुरली

नहीं पढ़ेंगे तो धारणा कैसे होगी। ऐसे बहुत लागर्ज

(बेपरवाह) हैं। अच्छा!



मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता
बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग। रूहानी
बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते।

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

धारणा के लिए मुख्य सार:-



1) देही-अभिमानी बनकर सर्विस की भिन्न-भिन्न युक्तियाँ निकालनी हैं। आपस में क्षीरखण्ड होकर सर्विस करनी है। जैसे बाप कल्याणकारी है ऐसे कल्याणकारी बनना है।



2) प्रीत बुद्धि बन और संग तोड़ एक संग जोड़ना है। कोई ऐसा अकर्तव्य नहीं करना है जो कल्प-कल्पान्तर के लिए नुकसान हो जाए।

Attention Please..!



21-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

वरदान:- बेहद की वैराग्य वृत्ति द्वारा नष्टोमोहा

स्मृति स्वरूप बनने वाले अचल-अडोल भव

Finale Achievement



जो सदा बेहद की वैराग्य वृत्ति में रहते हैं

वह कभी किसी भी दृश्य को देख घबराते वा

हिलते नहीं, सदा अचल-अडोल रहते हैं क्योंकि

बेहद की वैराग्य वृत्ति से नष्टोमोहा स्मृति स्वरूप

बन जाते हैं।



Mind It...

अगर थोड़ा बहुत कुछ देखकर अंश मात्र भी

हलचल होती है या मोह उत्पन्न होता है तो अंगद

के समान अचल-अडोल नहीं कहेंगे।

बेहद की वैराग्य वृत्ति में गम्भीरता के साथ

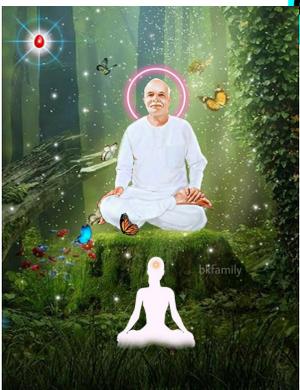
रमणीकता भी समाई हुई है।

समझा?

(Balance of Both)

स्लोगन:- राज्य अधिकारी के साथ-साथ बेहद के

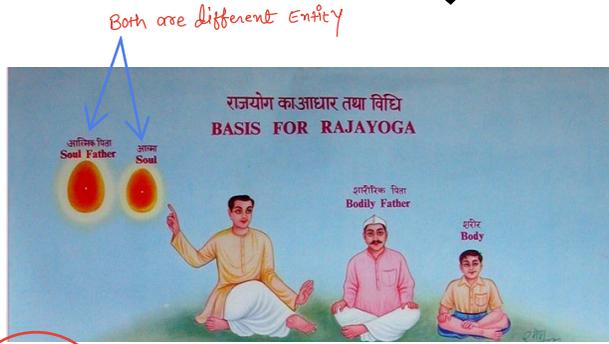
वैरागी बनकर रहना यही राजऋषि की निशानी है।



Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

21-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

मातेश्वरी जी के अनमोल महावाक्य:-



“आत्मा कभी परमात्मा का अंश नहीं हो सकती है”



पानी केरा बुदबुदा,
अस मानुस की जात.
एक दिना छिप जाएगा,
ज्यों तारा परभात.
अर्थ : SmitCreation.com
कबीर का कथन है कि जैसे पानी के बुलबुले,
इसी प्रकार मनुष्य का शरीर क्षणभंगुर
है। जैसे प्रभात होते ही तारे छिप जाते हैं,
वैसे ही ये देह भी एक दिन नष्ट हो जाएगी।

बहुत मनुष्य ऐसे समझते हैं, हम आत्मायें

परमात्मा की अंश हैं, अब अंश तो कहते हैं टुकड़े

को। एक तरफ कहते हैं परमात्मा अनादि और

अविनाशी है, तो ऐसे अविनाशी परमात्मा को

टुकड़े में कैसे लाते हैं! अब परमात्मा कट कैसे हो

सकता है, आत्मा ही अजर अमर है, तो अवश्य

आत्मा को पैदा करने वाला अमर ठहरा। ऐसे

अमर परमात्मा को टुकड़े में ले आना गोया

परमात्मा को भी विनाशी कह दिया लेकिन हम तो

जानते हैं कि हम आत्मा परमात्मा की संतान हैं।

तो हम उसके वंशज ठहरे अर्थात् बच्चे ठहरे वो

फिर अंश कैसे हो सकते हैं? इसलिए परमात्मा के

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

महावाक्य हैं कि बच्चे, मैं खुद तो इमार्टल हूँ, जागती ज्योत हूँ, मैं दीवा हूँ, मैं कभी बुझता नहीं हूँ और सभी मनुष्य आत्माओं का दीपक जगता भी है तो बुझता भी है। उन सबको जगाने वाला फिर मैं हूँ क्योंकि लाइट और माइट देने वाला मैं हूँ, बाकी इतना जरूर है मुझ परमात्मा की लाइट और आत्मा की लाइट दोनों में फर्क अवश्य है। जैसे Example बल्ब होता है कोई ज्यादा पॉवर वाला, कोई कम पॉवर वाला होता है, वैसे आत्मा भी कोई ज्यादा पॉवर वाली कोई कम पॉवर वाली है। बाकी परमात्मा की पॉवर कोई से कम ज्यादा नहीं होती है तभी तो परमात्मा के लिये कहते हैं। परमात्मा सर्वशक्तिवान अर्थात् सर्व आत्माओं से उसमें शक्ति ज्यादा है। वही सृष्टि के अन्त में आता है, अगर कोई समझे परमात्मा सृष्टि के बीच में आता है अर्थात् युगे युगे आता है तो मानो परमात्मा बीच में आ गया तो फिर परमात्मा सर्व से श्रेष्ठ कैसे हुआ। अगर कोई कहे परमात्मा युगे युगे आता है, तो क्या ऐसा समझें कि परमात्मा घड़ी घड़ी अपनी शक्ति चलाता है। ऐसे सर्वशक्तिवान की शक्ति इतने तक



अज्ञान



बुझता



Hypothetical example

21-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

imp to understand
Point to ponder

है, अगर बीच में ही अपनी शक्ति से सबको शक्ति अथवा सद्गति दे देवे तो फिर उनकी शक्ति कायम होनी चाहिए फिर दुर्गति को क्यों प्राप्त करते हो? तो इससे साबित (सिद्ध) है कि परमात्मा युगे युगे नहीं आता है अर्थात् बीच बीच में नहीं आता है। वो आता है कल्प के अन्त समय और एक ही बार अपनी शक्ति से सर्व की सद्गति करता है। जब परमात्मा ने इतनी बड़ी सर्विस की है तब उनका यादगार बड़ा शिवलिंग बनाया है और इतनी पूजा करते हैं, तो अवश्य परमात्मा सत् भी है, चैतन्य भी है और आनंद स्वरूप भी है। अच्छा, ओम् शान्ति।

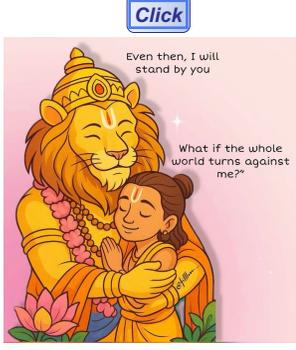
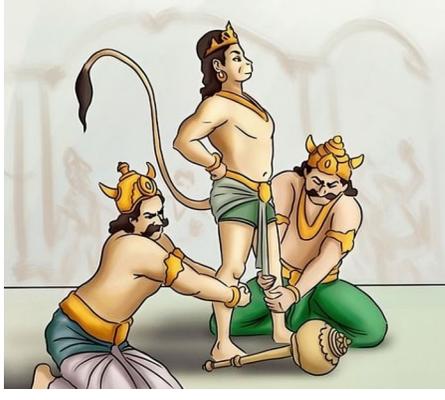


Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

ये अव्यक्त इशारे-

"निश्चय के फाउण्डेशन को मजबूत कर

सदा निर्भय और निश्चिंत रहो"



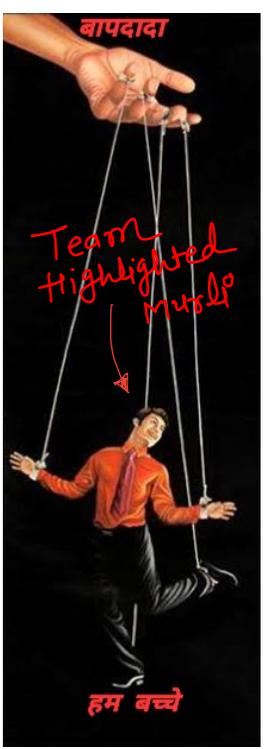
व्यर्थ संकल्प वा संशय की मार्जिन होते हुए भी

समर्थ संकल्प चलें कि ⁶⁶ सदा बाप रक्षक है, कल्याणकारी है। इस निश्चय की विजय अवश्य होती है।

तो क्वेश्चन मार्क का टेढ़ा रास्ता न ले सदा कल्याण की बिन्दी लगाओ। फुलस्टॉप।

इसी विधि से हर बात सहज भी होगी और सिद्धि भी प्राप्त होगी।

So/
EASY



ओम शांति,

30 मार्च 2026 को इस हाइलाइटेड मुरली की सेवा को 6 साल पूरे हो रहे हैं (इसको 30/3/2020 को शुरू किया था) तो इस उपलक्ष में यहां पर हम आपके साथ एक गूगल फॉर्म शेयर कर रहे हैं जिसके द्वारा ये जान पाएंगे कि...

1. आपको Highlighted मुरली से क्या प्राप्ति हो रही है एवं आप इसको अपने पुरुषार्थ में कैसे उपयोग में लेते हैं?(अनुभव)
2. आप Highlighted मुरली में क्या कुछ नवीनता चाहते हैं? (feedback)
3. हम ये जान पाए कि देश-विदेश में Highlighted मुरली की पहुंच कहां तक है? (Reach of मुरली)

आपको अगर कोई शिकायत हो तो भी जरूर लिखे। हम उसे solve करने का प्रयास करेंगे।

कृपया अपने सुझाव एवं प्रतिभाव अवश्य साझा करें, आपके सुझाव एवं प्रतिभाव हमें आगे के लिए पथ प्रदर्शन में सहयोगी बनते हैं। (क्योंकि पहले भी आप श्रेष्ठ आत्माओं के feedback के आधार से ही gradually बहुत सारे changes किए हुए हैं)

आपके द्वारा भेजे गए Feedback में से कुछ एक Feedback को यहाँ पर साझा करेंगे, जिससे कि दूसरों को अपने पुरुषार्थ में प्रेरणा व बल मिल सकें।



शुक्रिया, ओम शांती।

Team Highlighted Murli

[Link of Google Form ==>](#)

[Click](#)

पिछले दो चार दिनों में जो अनुभव प्राप्त हुए हैं उन में से कुछ अनुभव यहां पर रख रहे हैं जो आपको उमंग व खुशी देंगे एवं उनके अनुभवों से आपको आपके पुरुषार्थ के लिए नए आयाम मिलेंगे

सबसे खास अनुभव जो आया वो है हम ब्राह्मणों का सबसे अधिक प्यारा स्थान "मधुबन"।

की जहां स्वयं भगवान ब्रह्मा तन में पधारे एवं श्रृष्टि के आदि पिता हमारे मीठे प्यारे ब्रह्माबाबा ने अपना सर्वस्व दधीचि ऋषि बनके विश्व सेवा अर्थ लगाया।

उस परम पावन भूमि से निरंतर भगवान की पालना में पल रही एक महारथी आत्माने, कुछ साधारण प्यादे समान आत्माओं का उमंग उत्साह बढ़ाया है। ये अपने आप में वंडरफुल बात है जो कि परमात्म पालना का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

जैसे जिस पेड़ पर ज्यादा फल लगे होते हैं तो वह स्वतः ही झुक जाता है,

वैसे ही हमारे मधुबन निवासी भाई बहने जो कि स्वयं भगवान की पालना में पल रहे हैं वह एक-एक महान आत्मा फलों से लदे हुए उस पेड़ के समान है।

और जैसे मीठे ब्रह्मा बाबा बच्चों को अपने से आगे बढ़ाते थे, वैसे ही follow father करते औरों को आगे बढ़ाने में अपना सर्वस्व लगा रहे हैं।

आदरणीय भाईजी,

बापदादा के instrument हम सभी हाइलाइटेड मुरली टीम के सदस्य आपने जो उमंग उत्साह बढ़ाया उसके लिए तहे दिल से शुक्रगुजार है और उसको बाबा के चरणों में समर्पित करते हैं। साथ ही आपकी विनम्रता एवं निरहंकारिता को सादर वंदन करते हैं।

ॐ शांति

Name	BK Jitu Bhai, Youth wing
समर्पित?	Yes
From:	मधुबन
Age of body	51
ज्ञान में	47 years
HLM कब से	3 years
Experience:	You are doing very good sewa. It is very useful to understand murli with baba's original view (Bhaav), very helpful for explaining or easy to read for others. if possible please send quiz questions of same murli for churming and to create interest within youth.

आप सभी महानतम आत्माओं से एक विनम्र निवेदन है कि जब भी आप अपना अनुभव साझा करें तो उसमें कृपा करके Team HLM (टीम हाइलाइटेड मुरली) का किसी भी प्रकार से धन्यवाद ना करें क्योंकि यह सेवा मीठे बाप दादा ही करवा रहे हैं तो आप को जो भी धन्यवाद करना है वह direct मीठे बाप दादा का ही करें।

क्योंकि यह अमूल्य और अति गुह्य ज्ञान साथ ही इसकी गहराई को समझने के लिए दिव्य बुद्धि - ये सब कुछ उस दाता की ही देन है तो महिमा भी उसी की होनी चाहिए।

आदरणीय बीके डॉ. सचिन भाईजी ने एक क्लास में बताया था कि बाबा जैसे की टंकी है और हम सब है नल। तो महिमा उस टंकी (बाबा) की होनी चाहिए न कि नल की।
वो चाहता तो किसी भी और नल को निमित्त बनाकर ज्ञान रूपी पानी को आप तक पहुंचा सकते थे लेकिन उन्होंने इस किस्से में Team HLM को निमित्त बनाया है।

तो आप सभी दिव्यबुद्धि के धनी आत्माएं जिन्होंने गुप्त रूप में आए भगवान को पहचान लिया है उन्हीं से विनम्र निवेदन है कि इस बात को भी अपनी दिव्य बुद्धि में रखकर उस सर्वशक्तिमान बाप दादा का ही शुक्रिया अदा करेंगे।

और जब ऐसा होगा तो Team HLM को जो खुशी होगी उसको यहां शब्दों में बया नहीं किया जा सकता।

ॐ शांति

Other Recent Experiences

Name	Bk Kantibhai
समर्पित?	No
From:	Gandhinagar [gujarat]
Age of body	70 Years
ज्ञान में	17 years
HLM कब से	1 Year
Experience:	When I was in Australia, I have started study highlighted murli. it impact on brain due to pictures. It creates new pathways in brain. Good idea Thanks Omshanti

Name	Mlnakshi
समर्पित?	
From:	faridabad, haryana
Age of body	45 years
ज्ञान में	12 but not regular
HLM कब से	2 years
Experience:	due to reading highlighted murli & after that quiz murli points yad rahte or daily life mai use karne ki koshis karti hu , bhut hi khushi hoti murli parkar as ache se clear hoti hai , baba ka gyan kisi ko samjha bhi pati hu as khud ko ache se clarity hoti hai , thanks Baba thanks to all sewadari --its a big big seva

Name	Madan Nagpal
समर्पित?	No
From:	Delhi/Faridabad Haryana
Age of body	71 years 6 months
ज्ञान में	11 years
HLM कब से	Since the time you started this
Experience:	Appreciate the hard work you're putting in.

Name	Kiran Dua
समर्पित?	No
From:	Ludhiana Punjab
Age of body	50 yr
ज्ञान में	5-6
HLM कब से	1yr
Experience:	Highlighted murli se bhut hi genre anubhav hote hai kyunki yaad Rakhee ka bhut hi asaan method hota h k jab hum dekhte h to isme to har ek point ko poora dikhaya jata samjhaya jata h.isme main jo h k koi bhi kahani hai usko poora detail ke sath likha hota jaise ROOP BASANT etc ese samajh r m or easy ho jata pointed so Thanku so much aapka jo itna easy method se sab clear krte

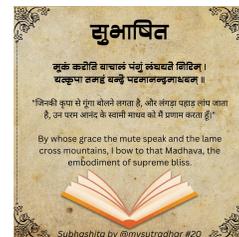
Name	BK Praveena
समर्पित?	
From:	Bharatpur, Rajasthan
Age of body	37 years
ज्ञान में	22 years
HLM कब से	1 year
Experience:	हाईलाइट मुरली बहुत ही अच्छी सुंदर तरीके से समझ आ जाती चित्रों के द्वारा पूरी बुद्धि में फिट हो जाती है भूलती नहीं है मुरली का पूरा गीत मिलता है अगर कोई कहानी कहावत आती है तो उसका भी स्पष्ट जबाब मिलता है आप सभी का बहुत बहुत शुक्रिया

Name	BK Meena Bharti
समर्पित?	No
From:	Ghumarwin Himachal Pradesh
Age of body	50
ज्ञान में	24 years
HLM कब से	5 years

Experience: ॐ शांति दिव्य भ्राता जी हाईलाइटड मुरली हमारे लिए बहुत बहुत मददगार साबित हुई है। हम गीता पाठशाला चलाते हैं और रोज मुरली के रंग बिरंगे अण्डरलाइन किए हुए महावाक्यों से सभी भाई बहनों को समझने में बहुत मदद मिलती है। जैसे बना बनाया मक्खन खाने को मिल रहा है। हाइलाइटड महावाक्यों के साथ जो रिलेटिव चित्र दिए होते हैं वो तो ये सेवा करने वाले सेवाधारी की कमाल होती है इसके लिए बाबा और हम सब की बहुत बहुत बहुत दुआएं हैं आपको। इन चित्रों के आधार पर ही हम क्लास में मुरली का रिवीजन करते हैं सिर्फ चित्र देखकर मुरली प्वाइंट पूछा जाता है। भाई बहनों चित्र बना कर भी लाते हैं इससे। वैरायटी के साथ मुरली प्वाइंट याद रहते हैं। हम सोचते हैं कि कितना बाबा के हर महावाक्य को आत्मसात किया होगा जो सहज समझाने की सेवा कर रहे हैं क्योंकि यह सेवा बहुत गहराई से मुरली को समझकर ही हो सकती है। इसलिए बहुत बहुत साधुवाद और धन्यवाद !!

Name	Ruby
समर्पित?	Adhr kumari
From:	Delhi
Age of body	45 years
ज्ञान में	6 years
HLM कब से	1 month se
Experience:	Maine aaj tak itni murlis read ki pr jo highlights walo ne samzya vo kisi ne nhi bahut deeply samzya

Name	Shilpa M narqle
समर्पित?	No, Teacher
From:	Pune Maharashtra
Age of body	47
ज्ञान में	7
HLM कब से	2
Experience:	It is easy to understand because of pictures Daily I do seva of murli reading in center Because of this highlighted murali I can explain easily.



Name	SHANKAREGOWDA B M
समर्पित?	No , Self employed
From:	kolar Karnataka
Age of body	42
ज्ञान में	10 yrs
HLM कब से	3 yrs
Experience:	Its really a great sewa. I say thank you for your team , because this highlighted murali making me as true child of shiv baba . Reading one time this highlighted murali gives me a positive energy equal to when i listen in the centre.

Name	BK Sushil Panchal
समर्पित?	Healthcare- Sales and Marketing
From:	Pune Maharashtra
Age of body	39
ज्ञान में	30+
HLM कब से	6 years but not regularly
Experience:	<p>One of the Best and very effective way to Study and Remember Baba's Murali. Points are segregated as per 4 subjects and Pictorial explanation is very useful to remember Murali for whole day. extra Information such as Shloka and pictures are great help to Grasp baba's particular point.</p> <p>I always wonder daily How many hours of efforts you must be putting for study, editing, compiling this Murali. I also eager to know who is doing this Seva!!!</p> <p>Thank you for Your Consistent efforts and Service Brother/Sister. Om Shanti</p>

Name	Madhuri Bharat Chaubey
समर्पित?	MBBS DA (doctor by profession)
From:	Thane mumbai Maharashtra
Age of body	63 yr
ज्ञान में	25 yr
HLM कब से	6 yr , from the first day you started it
Experience:	<p>Highlighted murli is like 3 D Movie , ek ek BABA k sabd hamesha k liye chitra sahit dil aur dimag me Ankit ho jate hain , fir ap din me ankhe band kark ya khuli rakh kar bhi visualize kar sakte hain</p> <p>Thankyou team , dil se ap BABA k bachchon ko sukria, and love you BABA 💕</p>

Name	Geethanjali
समर्पित?	
From:	Mysore Karnataka
Age of body	31
ज्ञान में	10 years
HLM कब से	5 months
Experience:	<p>Highlight muruli really makes me connect to baba because of clarity , It makes me easy to understand and experience each line without any efforts due to pictures, hyperlink,example of bhakti,songs, Everyday I read Highlight muruli, thanks a lot it's wonderful seva</p>

Name	Bk shobha
समर्पित?	House wife
From:	Ghaziabad Uttar Pradesh
Age of body	49
ज्ञान में	10year
HLM कब से	5 month
Experience:	Highlighted murli ke karan mai murli ekagrata aur ramnikta se padhti hu picture murli acording kamal ke hote hai dil se kitna n sukriya karu!

Name	Bhavna Saini
समर्पित?	No, IT Engineer
From:	Panchkula Haryana
Age of body	35
ज्ञान में	1.8 years
HLM कब से	6 months
Experience:	<p>I used to listen MURLI online. But when I came across highlighted MURLI it has benefited me in many ways - it has become very convenient for me to remember points by memorising pictures shared in MURLI or text references which later becomes easy to churn points during day, whilst working, easy to follow and helps in preparing my night chart as well . Those pictures shared in MURLI itself gives me a real feeling all together like I am a DIETY , I am in HEAVEN, I am in PARAMDHAM.</p>

Name	Shobhit Kumar Srivastava
समर्पित?	IT profession
From:	Gurugram Haryana
Age of body	36
ज्ञान में	1 Year
HLM कब से	2 weeks
Experience:	It's well elaborated and self explanatory. It really help in understanding the difficult words by the clear explanation and the intuitive pictORIZATION.

Name	santhoshi
समर्पित?	No; Software Engineer
From:	Bangalore
Age of body	37
ज्ञान में	5
HLM कब से	1
Experience:	Pictures in the highlighted murli helps to remember gyan points easily when compared to reading regular murli. Even the explanation of some deep points is very helpful

Name	Dheeraj Kumar
समर्पित?	No
From:	Lucknow Uttar Pradesh
Age of body	31
ज्ञान में	3.5 years
HLM कब से	5 months
Experience:	I like highlighted murli specially those pictures related to the particular point of line in murli...and yes those stories related to some idioms or phrases.. like merua maut maluka shikar..that makes murli more understanding and clarity in mind

Name	ब्रह्माकुमार गोकुल
समर्पित?	No (Govt job)
From:	Amravati, Maharashtra
Age of body	37
ज्ञान में	6
HLM कब से	1 year
Experience:	<p>ओम् शांति, हम ज्ञान में आये तब कोरोना काल चल रहा था, हमारा शुरुवाती पुरुषार्थ ऑनलाईन ही था। लेकिन ज्ञान मुरली के बहुत सारे महावाक्य हमें समझ में नहीं आते थे। हम जहां रहते थे वहां नजदीक सेंटर भी नहीं था। देरी से ज्ञान में आने से हमारे मन में बहुत उत्साह रहता था, लेकिन हम मुरली को ठीक से समझ नहीं सकते थे इसलिए थोड़ा उदास रहते थे। फिर तिन साल बाद २०२४ में एक बार अचानक हाईलाइटड मुरली हमें कीसी वाट्सऐप ग्रुप में मिली, जैसे ही हमने पढ़ी और चित्र देखकर बाबा की ज्ञानयुक्त राजयुक्त बातें क्लियर समझ आने लगी , लेकिन उस ग्रुप में रोजाना वह मुरली नहीं मिलती थी अब भी नहीं मिलती, लेकिन जब भी मिलती हम बड़े उत्साह से पढ़ते रहते थे, हाइलाइटड मुरली के कारण ही हमारे ज्ञान में, योग में, पुरुषार्थ में सब बातों में फायदा हुआ है।अब हमें बाबा की बहुत सी बातें समझ आने लगी है, इसमें हमें मुख्य सहायक हाइलाइटड मुरली ही हुई है। आपका और आपकी टिम का तहे दिल से शुक्रिया। ओम् शांति 🙏</p>

Double foreigners

Name	Reena Saawhney
समर्पित?	No
From:	Canada ; (Rohtak Haryana, India)
Age of body	58 year
ज्ञान में	I did Rajyoga meditation course in 2018 but started practicing since 2020 so you can say for 6 years.
HLM कब से	1 year
Experience:	Thanks to the team for taking out their time and putting their conscious efforts in highlighting the murli. It makes it so easier to understand murli in all the four subjects. Baba bless you all 🙏

Name	Mayuri
समर्पित?	
From:	Toronto Canada
Age of body	60
ज्ञान में	5 years
HLM कब से	3 Years
Experience:	Om Shanti! A big thank you to the highlighted Murli Team! The way you've emphasized the key points with visuals makes Baba's directions feel incredibly simple and direct. It has saved me time and provided a clear roadmap for my dharna (practice). Very much appreciated! Matter of fact: Highlighted Murli allows focus. It helps the mind stay centered on the most "elevated" point. Saving time, It enables a quick but powerful refresh during a busy day. And for Churning, it provides a specific "seed" for deeper meditation. May Baba's Divine blessing stay with Highlighted Murli Team in the days to come. TIBSY

Name	BK Amy Karmacharya
समर्पित?	No
From:	Hamilton Canada (I am born in Myanmar I took 7 day course in Bangkok, since 4 years living in Canada)
Age of body	42
ज्ञान में	8 years
HLM कब से	2-3
Experience:	It help me understand more and easy to remembering, pictures help me हाइलाइट की हुई मुरली को पढ़ना और भी आसानी से समझने में मदद करता है। जब हम सभी तस्वीरों और रंगों के साथ देखते हैं, तो हर मुख्य बात स्पष्ट हो जाती है। रंगीन हाइलाइट एक ऐसा सुंदर ज़ोन बना देती है, जो पढ़ने का उत्साह बढ़ाता है और आगे बढ़कर विजय पाने की प्रेरणा देता है। जब मैं मुरली को हिंदी में हाइलाइट मोड में पढ़ती हूँ, तो ऐसा महसूस होता है जैसे जीवन में रंग भर गए हों—समझ और अनुभव दोनों और गहरे हो जाते हैं। हाइलाइट मोड की वजह से मुरली पढ़ना बहुत रोचक हो जाता है। रंगों के साथ मुख्य बिंदु साफ दिखाई देते हैं, इसलिए समझना भी बहुत आसान हो जाता है। यह तरीका मुझे बहुत पसंद आया। 🌸🌟 ओम शांति 🙏

Name	Surbhi
समर्पित?	Not physically but mentally 😊
From:	Dubai UAE
Age of body	32
ज्ञान में	5 years
HLM कब से	3years
Experience:	1. Clarity achi milti hai, 2. Normally pdhne ya sunne me Koi imp point ya line skip ho jati h, to wo HM me clear ho jati h, emphasise kiya jata hai ki baba kya kehna chah rhe the or kis rishte se wo bat kahi. 3. Point search krna b easy ho jata h images se, ki konsa pt kb konse page pr aya tha agr use dubara padhna ho to. 4. Points yad krne me bhut bhut help milti hai. 5. Baba se pyar or jyada feel hota h, bar bar unki or adiratno ki photo dekhne ko milti h chitra revise hote rhte hai. 6. Chitro m b likhai hoti h ki kha focus krna hota hai, kuch pix kai bar dekhi hui hoti h, tb b HM me pahli bar notice hui ki ye b tha isme..

Name	Peshori Malhotra
समर्पित?	No
From:	Chicago America
Age of body	82
ज्ञान में	10
HLM कब से	5
Experience:	It gives me. More understanding. Remembrance become easy

If you wish to stay connected, Here is the link



BKdrluhar